

#### असाधार ण

### **EXTRAORDINARY**

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 436]

नई बिल्ली, बृहस्पतिक्षार, अक्तूबर . 3, 19.7 मादिवन 21, 1899

No. 436]

NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 13, 1977/ASVINA 21, 1899

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिसते कि यह प्रसम तकलन के कर मे रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

#### MINISTRY OF COMMERCE

(Office of the revtile Commissioner)

### NOTIFICATION

Bombay, the 13th October 1977

S.O. 712(E).—In exercise of the power, conferred on me by Clause 22 of the Cotton Textile (Control) Order 1948, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No CER/3/69 dated 19th September, 1969 namely:

In the said Notification.

- (1) In paragraph VIII sub para 2(a) after the figure III, and before the figure IV the figures IIIA, IIIB, IIIC and IIID shall be included.
- (2) In paragraph VIII, for Clause (4) the following shall be substituted, namely
  - "(4) No price markings other than those prescribed in paragraph IIIA, IIIB, IIIC and IIID above shall be stamped on non-controlled cloth."

[No CER/3/77]

G S BHARGAVA, Joint Textile Commissioner

## वाशिक्य मंत्रालय

## (बस्त्र ग्रायुक्त का कार्यालय)

# **ग्र**धिसूचना

बम्बई, 13 श्रक्तूबर, 1977

का॰ ग्रा॰ 712(म्र) — मृती वस्त्र (नियत्नण) श्रार्देश, 1948 के खड 22 में प्रदत्त मक्तियो का प्रयोग करते हुए मैं एतदृद्वारा वस्त्र आयुक्त की श्रधिसूचना स० मी ई श्रार/ 3/69 दिनांक 19 सितम्बर 1969 में निम्निलखित श्रतिरिक्त सशोधन करता ह, श्रर्थात

उक्त ग्रधिमूचना मे

- (1) पेराग्राफ आठ उप-पेरा 2(ए) मे श्रक तीन के बाद श्रीर श्रक चार के पहिले तीन ए, तीन बी, तीन मी श्रौर तीन डी ये श्रक श्रत स्थापित
- (2) पेराग्राफ ग्राठ मे खंड (4) के स्थान पर निम्न प्रतिस्थापित होगा, ग्रथित
  - "(4) म्प्रनियन्नित वस्त्र पर उपर्युक्त पेराग्राफ तीन ए, तीन बी, तीन सी श्रौर तीन डी में विहित को छोडकर श्रन्य मृल्य-मार्किंग्ज की मोहर नही लगाई जामगी।"

[मं० मी **ई** ग्रार/3 77] गौरी शंकर भार्यव.

संयक्त वस्त्र श्रायक्त ।